उम्मे हुफै़द -रज़ियल्लाहु अन्हा- ने, जो अब्दुल्लाह बिन अब्बास -रज़ियल्लाहु अन्हुमा- की ख़ाला थीं, नबी - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- को पनीर, घी और कुछ साँड़े हदिया भेजे, तो अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने पनीर और घी तो खा लिया, मगर साँड़े को नापसंद करते हुए छोड़ दिया।

अब्दुल्लाह बिन अब्बास -रज़ियल्लाहु अन्हुमा- से रिवायत है, वह कहते हैं : “उम्मे हुफै़द -रज़ियल्लाहु अन्हा- ने, जो अब्दुल्लाह बिन अब्बास -रज़ियल्लाहु अन्हुमा- की ख़ाला थीं, नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- को पनीर, घी और कुछ साँड़े हदिया भेजे, तो अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने पनीर और घी तो खा लिया, मगर साँड़े को नापसंद करते हुए छोड़ दिया।” अब्दुल्लाह बिन अब्बास -रज़ियल्लाहु अन्हुमा- फ़रमाते हैं : “अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के दस्तरख़ान पर साँड़ा खाया गया। अगर वह हराम होता, तो अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के दस्तरख़ान पर न खाया जाता।”
[सह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/64650